newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - ३८ | ९ से १५ अक्टुबर २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

टोल नाके के नाम पर राजनीतिक पार्टियां कर रही है खिलवाड

भायंदर। मुंबई की सीमा पर से टोल नाके हटाने का मुद्दा चुनावी घोषणा पत्र में सिमटकर रह गया। इसे हटाने के लिए कागजी प्रयास तो बहुत हुए,लेकिन धरातल पर ठोस और व्यापक प्रयास कभी नही हुआ। सिर्फ सरकारी चालाकी होती रही है।इसलिए टोल के मकड.जाल में फंसे मीरा-भायंदर, ठाणे,नवी मुंबई इससे आजादी के लिए तडफ रहे है। महाराष्ट्र राज्य सडक़ विकास महामंडल के एक बयान पर यकीन करें तो मुंबई की सीमा पर टोल मुंबई के ५५ पुलों की देखभाल और मरम्मत के लिए जारी रखे हुए हैं।यह बयान तब आया था जब पिछले दिनों शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने टोल नाके हटाने की मांग की थी।राजस्थानी जनजागरण सेवा संस्था के अध्यक्ष गजेंद्र भंडारी बताते हैं कि वे पिछले १० सालों से दहिसर टोल नाका हटाने की मांग करते रहे हैं।पत्राचार करते रहे,आरटीआई से जबाव मांगे। भंडारी कहते हैं कि साल २०१४ विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इसे हटाने का वादा अपने घोषणा पत्र में किया था।लेकिन सरकार आने के बाद भूल गई।उससे पहले और बाद की कांग्रेस,एनसीपी आघाडी और एनसीपी, शिवसेना, कांग्रेस महाविकास आघाडी के सरकारें भी जनभावना का ख्याल नही की।टोल हटाने को लेकर सिर्फ राजनीति और घोषणाबाजी करती रहीं। भंडारी कहते है कि टोल के नाम पर सिर्फ जनभावना के साथ राजनीतिक पार्टियों खिलवाड क़रती रही हैं। जो पार्टी विपक्ष में रहती है, वह यह मुद्दा जोर शोर से उठाती है।अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करती है। सरकार आने के बाद भूल जाती है।विपक्ष भी चुप है। दहिसर टोल नाका के चलते मीरा भायंदर की जनता को भारी ट्रैफिक जाम से जूझना पडता है।टोल नाका पार करने में ४० से ५० मिनट लग जाता है। एंबुलेंस फंसने से रास्ते में ही मरीजों की मौत हो जाती है। लोगों का

जरूरी काम छूट जाता है।जाम के कारण ईंधन और समय की बर्बादी तथा पर्यावरण को नुकसान होता है।१अक्टूबर से टोल ५ से ३० रूपया तक महंगा हो गया है। समझ में नहीं आता की आखिर टोल में क्या चीज महंगी हुई है,जो सरकार भाव बढा दिया है। भंडारी कहते हैं कि बोरीवली/दहिसर जाने के लिए भी टोल चुकाना पडता है।जबकि एक भी पुल का इस्तमाल नही किया जाता है। मुंबई के लोग सारे पुलों का इस्तमाल तो करते हैं,लेकिन उनसे एक भी पैसा टोल नही लिया जाता है।यह भेदभाव क्यों ? मीरा भायंदर की विधायक गीता जैन कहती हैं कि मुंबई,मीरा-भायंदर, ठाणे,नवी मुंबई के साथ भेदभाव खत्म करने के लिए टोल हटा देने की उनकी लगातार मांग रही हैं।सार्वजनिक लोकनिर्माण मंत्री दादा साहब भूसे को पत्र देकर उन्होंने टोल की जगह पूरे मुंबई एमएमआर में पेट्रोल,डीजल,गैस पर एक पैसा सेस तथा नई गाडिय़ों के रजिस्ट्रेशन फीस पर ०.२५ फीसदी सर चार्ज लगा देने की मांग उन्होंने की हैं।इससे टोल हटाने से होने वाले नुकसान की भरपाई हो जायेगी।और लोगों को ट्रैफिक जाम,टोल पर भारी भरकर खर्च तथा पर्यावरण को नुकसान से छुटकारा मिल जाएगा। पूरे देश में टोल नाके के ५ किमी के दायरे के लोगों को टोल से छूट हैं।लेकिन मुंबई के सीमा पर पांचों टोल नाकों के आस पास के ५ किमी के परिधि के इलाकों को छूट की शर्तों को ठेके के अनुबंध में हटा दिया गया है। विधायक गीता जैन भी टोल हटाने का वादा अपने चुनावी घोषणा पत्र बेक किया था।अब उन पर वादाखिलाफी का आरोप लग रहा है।इस पर जैन कहती हैं कि टोल हटाने के लिए वह निर्वाचित होने के बाद से लगातार प्रयास करती रही है।उनके ससुर व पूर्व सांसद मीठालाल जैन तथा वह खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,परिवहन मंत्री नितिन गडकरी,महाराष्ट्र के लोकनिर्माण मंत्री से टोल हो हटाने या घोडबंदर(वरसावे)पेट्रोल पंप के पास शिफ्ट करने की मांग करती रही है। पिछले दिनों शहर में एक कार्यक्रम में आए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सामने भी उन्होंने यह मांग रखी थी, तब उन्होंने दहिसर भायंदर लिंक रोड बन जाने से मीरा भायंदर को टोल से मुक्ति मिल जाने की बात कही थी। जैन ने कहा कि अब और समय का इंतजार नहीं किया जा सकता है।इसके लिए वह सत्याग्रह जन आंदोलन छेडेग़ी।

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

सरकारी अस्पतालों में लापरवाही के परिणाम

नांदेड़ के जिस अस्पताल में मरीजों के मरने की घटना सामने आई है, वह करीब अस्सी किलोमीटर के दायरे में एकमात्र सरकारी अस्पताल है और वहां दूर-दूर से मरीज इलाज के लिए आते हैं। इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि लोग किसी बीमारी या आपात अवस्था में इलाज और जान बचाने की भूख में अस्पताल का रुख करें, लेकिन वहां एक तरह से मौत बंट रही हो! महाराष्ट्र में नांदेड़ के एक सरकारी अस्पताल में बीते दो दिनों में जैसा मंजर सामने आया, वह अपने आप में यह बताने के लिए काफी है कि जहां मरीजों की जान बचाना सबसे बड़ा दायित्व होना चाहिए, वहां लापरवाही का आलम एक त्रासदी खड़ी कर रहा है। गौरतलब है कि नांदेड़ के सरकारी अस्पताल में इकतीस लोगों की मौत हो गई, जिनमें सोलह बच्चे थे। एक ओर एक-एक करके मरीजों की जान जाती रही और दूसरी ओर अस्पताल प्रशासन की लापरवाही कायम रही। जिस स्थिति पर अस्पताल प्रशासन को जवाब देना चाहिए, उस पर यह अफसोसनाक प्रतिक्रिया आई कि वहां न दवाइयों की कमी है, न डाक्टरों की। सटीक इलाज के बावजूद मरीजों पर कोई असर नहीं हुआ। बच्चों की मौत के मामले में एक तरह से रटा-रटाया जवाब पेश किया गया कि उनकी स्थिति पहले से ही बेहद कमजोर थी और उनका वजन कम था। हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नांदेड़ के बाद नागपुर के भी एक सरकारी अस्पताल में चौबीस घंटों में कई लोगों के मरने की खबर आई। सवाल है कि इतनी बड़ी तादाद में मरीजों की मौत को क्या स्वाभाविक घटना मान लिया जाए? अगर किसी अस्पताल में दो दिनों के भीतर इतनी संख्या में लोगों की मौत होती है तो क्या यह किसी अव्यवस्था और लापरवाही का नतीजा नहीं है?

शेष पृष्ठ २ पर

मरीज और डॉक्टर के लिए बुकलेट हुआ जारी

नई दिल्ली: सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों को होने वाली परेशानियों को कम करने के लिए नैशनल मेडिकल कमिशन ने एक ई-बुकलेट जारी की है। यह बुकलेट डॉक्टरों और मरीजों के संबंधों पर आधारित हैं। इसमें डॉक्टरों के खिलाफ आई शिकायतों पर दिए गए फैसलों का भी जिक्र है। बुकलेट में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को मरीजों के प्रति व्यवहार को लेकर भी सलाह दी गई है। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर समेत अन्य मेडिकल स्टाफ को सलाह दी गई है कि मरीज के साथ अच्छे से पेश आना चाहिए। मरीज और उन के परिजनों को समय-समय पर इलाज से जुडी हर जानकारी दी जानी चाहिए। मरीज की जो भी जांच हो, उसकी रिपोर्ट के बारे में भी परिजनों को समझाया जाए ताकि वे समझ सकें कि कैसा इलाज हो रहा है। इलाज के खर्च में भी पारदर्शिता हो। कई केसों में डॉक्टरों के खिलाफ इलाज में लापरवाही, बुरा वर्ताव जैसी शिकायतें सही साबित होती है, वहीं ऐसे भी मामले होते हैं, जहां पर मरीज के परिजन टेंशन में आकर गलत व्यवहार कर बैठते हैं। बुकलेट में हर केस की हिस्ट्री बताई गई है, कमियों का जिक्र किया गया है, भविष्य में ऐसा न हो, इसके लिए सुझाव दिए गए हैं। चेयरमैन डॉ. वी. एन. गंगाधर ने यह बुकलेट जारी की है, इस मौके पर शषभ के सीनियर अधिकारी डॉ. अरूणा वानीकर, डॉ विजय ओझा, डॉ. योगेंद्र मलिक, डॉ. विजयेंद्र कुमार, डॉ. जे. एल. मीणा भी मौजूद रहे। शषभ के मीडिया डिविजन प्रमुख और एथिक्स मेडिकल रजिस्ट्रेशन वोर्ड के सदस्य डॉ. योगेंद्र मलिक का कहना है डॉक्टर पक्ष और विपक्ष में आने वाले दोनों तरह के केस इस बुकलेट में शामिल है। एक्सपर्ट बोर्ड बना दिया है, जो हजारों पेज के फैसलों की स्टडी करने के बाद पब्लिकेशन की सिफारिश करता है। ये प्रैक्टिस आगे भी जारी रहेगी।

यातायात पुलिस की लापरवाही से आटो गैरेजवालों की चांदी, जनता परेशान

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : मिरा भाईंदर, वसई विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत मीरारोड क्षेत्र में स्थित जांगिड सर्कल के आसपास व एमटीएनएल रोड पर टू व्हिलर ऑटो गैरेज वालों से जनता परेशान हो रही है और यह परेशानी दिन ब दिन बढती ही जा रही है. आए दिन ट्रेफिक की समस्या और ये लोग रोड पर लगातार गाडीयां खडी रखते है और आम जनता से दादागिरी से बात करते है. यह सब पुलिस की सांठ गांठ से चल रहा है. ऐसा स्थानिक जनता में चर्चा का विषय है. इस रोड से पैदल चलनेवालों को रोड पर चलना दुषावर हो गया है. क्या प्रशासन ने अपनी आंखे बंद कर रखी है. या इन ऑटो गैरेजवालों को नजर अंदाज किया जा रहा है. आखिर कब होगी कारवाई जनता मांग रही है इन्साफ.

सुजीत कुमार गुंजकर का हुआ सत्कार

मीरारोड : फिक्की कैस्केड जालसाजी विरोधी और तस्करी विरोधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एमएएससीआरएडीए २०२३, होटल आईटीसी मौर्य, नई दिल्ली में २८ और २९ सितंबर २०२३ को दो दिवसीय पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया था। उक्त कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्री, फिक्की कैस्केड के पूर्व वरिष्ट अधिकारी और विभिन्न देशों के प्रतिनिधि की उपस्थिति में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी.आई. विश्वनाथन ने मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के साइबर अपराध सेल के प्रभारी अधिकारी पीआई सुजीत कुमार गुंजकर को उनके उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह एवं

प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। बता दें कि मीरा रोड निवासी योगेश जैन को पिछले वर्ष क्रिप्टो करेंसी खरीदने के संबंध में जानकारी देकर अधिक मुनाफा कमाने का लालच विदेश से दिया गया था। इसके अनुसार जैन ने ३३ लाख ६५ हजार रुपए की क्रिप्टोकरंसी खरीद कर विदेश के एक ऐप में हस्तांतरित किया था,लेकिन खुद को ठगे जाने की शिकायत साइबर सेल में जैन ने की थी। साइबर सेल द्वारा इसकी जांच करने पर पता चला कि एक चीनी व्यक्ति ने यह ठगी की है। उसके बाद पुलिस ने करीब १३ महीने तक इस प्रकरण में मेहनत की ,जिसके फलस्वरूप विदेश से ठगी की रकम वापस प्राप्त करने में साइबर सेल को सफलता मिली थी। इसके अलावा साइबर क्राइम सेल में प्राप्त विभिन्न शिकायतों की जांच में लगातार मिली सफलता, संदिग्ध आरोपियों की जांच कर उन्हें थाने के सुपुर्द कर अपराधों का निराकरण करने तथा जागरूकता हेतु साइबर अपराध को लेकर नागरिकों के बीच चलाई जा रही गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए, पुलिस महानिदेशक, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई के कार्यालय द्वारा फिक्की कैस्केड एंटी-जालसाजी और एंटी-स्मगलिंग पुरस्कार २०२३ के लिए पीआई सुजीत कुमार गुंजकर का नाम नामांकित किया गया था। पीआई गूंजकर को यह सफलता पुलिस आयुक्तालय के आयुक्त मधुकर पांडे, अपर पुलिस आयुक्त श्रीकान्त पाठक, पुलिस उपायुक्त (अपराध), अविनाश अंबुरे, पुलिस उपायुक्त (अपराध), सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) अमोल मांडवे के मार्गदर्शन में प्राप्त हुई।

मीरारोड में साइकिल ट्रैक पर अवैध कब्जा

जेकेएस संवाददाता

भायंदर,. मीरा भायंदर महानगरपालिका द्वारा मीरारोड रेलवे स्टेशन से सृष्ठि चौक तक बनाए गए १.५ किलोमीटर पहले साइकिल ट्रैक पर अवैध वाहनों का कब्जा रहता है. वहीं दूसरे साइकिल ट्रैक का निर्माण अभी तक फाइलों में ही अटका हुआ है. जिससे साइकिल ट्रैक का उपयोग आधर में लटक गया है. बता दें कि शहर में साइकिल ट्रैक निर्माण के लिए राज्य सरकार ने १५वें वित्त आयोग से मनपा को करीब ४४ लाख ५० हजार रुपए की निधि मंजूर की है. जिसका ठेका भी मेसर्स मधुरानी इंटरप्राइजेज नामक ठेका कंपनी को दिया गया है. पर्यावरण संतुलन और लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मनपा प्रशासन ने जन साइकिल सहभाग प्रणाली (पब्लिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम) योजना अंतर्गत प्रीपेड साइकिल योजना लागू करने की संकल्पना २०२१ में बनाई थी. जिसका प्रस्ताव भी १५ जनवरी २०२१ की महासभा में लाया गया था लेकिन तत्कालीन सत्ताधारी भाजपा सहित विरोधी दलों ने भी टेक्निकल कारण बताते हुए उस प्रस्ताव को ना मंजूर कर दिया था. इसके बावजूद मनपा ने यह संकल्पना लागू करने के लिए मीरारोड रेलवे स्टेशन के पास शांति शॉपिंग सेंटर से सृष्ठि कंपलेक्स चौक तक करीब १.५ किलोमीटर साइकिल ट्रैक का निर्माण किया था और लोगों को शारीरिक व्यायाम के लिए प्रोत्साहित करने और प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से इस ट्रैक पर २६ जनवरी २०२१ गणतंत्र दिवस से साइकिल रैली का आयोजन कर ट्रैक का लोकार्पण किया गया था. जो अब वाहनों के अवैध पार्किंग का अड्डा बना हुआ है. जबकि घोडबंदर के ६० मीटर चौडे.सडक़ पर दूसरे नई साइकिल ट्रैक निर्माण का प्रशासकीय प्रस्ताव ८ सितंबर २०२२ को मंजूर हुआ था. नई सडक़ पर जहां नया साइकिल ट्रैक का निर्माण किया जाना है वह सडक़ करीब ८०० मीटर लंबा है उसके एक तरफ प्रादेशिक परिवहन विभाग को वहां पार्सिंग के लिए जगह दी गई है. बचे हुए सडक़ पर साइकिल ट्रैक के निर्माण करने का निर्णय प्रशासन ने लिया था. दूसरी तरफ वाहनों की पार्किंग होती है.

सरकारी अस्पतालों में लापरवाही के परिणाम

पृष्ठ १ का शेष

जब मामले ने तूल पकड़ लिया तब सरकार की ओर से इसकी जांच कराने की बात कही गई है। लेकिन क्या यह राज्य में इस तरह की कोई पहली घटना है? ज्यादा दिन नहीं हुए जब महाराष्ट्र के ही ठाणे जिले के एक अस्पताल में अड़तालीस घंटे में अठारह लोगों की मौत हो गई थी। आखिर सबक लेने के लिए कितनी घटनाओं की जरूरत होती है? इस तरह की हर घटना के बाद यह सफाई दी जाती है कि मरीज की बीमारी गंभीर अवस्था में पहुंच गई थी। नांदेड़ के जिस अस्पताल में मरीजों के मरने की घटना सामने आई है, वह करीब अस्सी किलोमीटर के दायरे में एकमात्र सरकारी अस्पताल है और वहां दूर-दूर से मरीज इलाज के लिए आते हैं। अगर किसी वजह से मरीजों की संख्या बढ़ जाती है तो दवा और अन्य संसाधनों के मामले में समस्या खड़ी हो जाती है। आरोप यहां तक सामने आए कि तपेदिक के मरीजों को अपने स्तर ही दवा खरीद कर खाने के लिए कहा जाता है। सवाल है कि ऐसी स्थिति में किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी? यों महाराष्ट्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को अपेक्षया बेहतर स्थिति में माना जाता रहा है। लेकिन विपक्षी दल आरोप लगाते हैं कि पिछले एक साल से स्थिति तेजी से बिगड़ती गई है और आज स्वास्थ्य विभाग सबसे उपेक्षित महकमों में गिना जाता है। कोई भी अस्पताल लोगों का जीवन बचाने के लिए होता है। अगर वहां एक साथ इतनी संख्या में लोगों की जान जाने लगे तो इसके पीछे अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही, संसाधनों का अभाव, डाक्टरों की कमी आदि बहुस्तरीय समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन इस तरह अप्रत्याशित तरीके मरीजों की जान जाने की घटनाएं अक्सर सामने आने के बावजूद सरकार को यह सुनिश्चित करना जरूरी नहीं लगता कि उचित इलाज और जीवन रक्षा की जगहों को ऐसी त्रासद जगहों के रूप में तब्दील होने से हर हाल में बचाया जाए।

ठाणे रिंग मेट्रो प्रोजेक्ट का मुद्दा उठा, जनता को मिलेगी सुविधाएं

जेकेएस संवाददाता

मुंबई, दि. ६: महाराष्ट्र में बढ़ते शहरीकरण और आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का निर्माण तेजी से चल रहा है। मुंबई के साथ-साथ ठाणे के लोगों के लिए भी तेज और आसान सफर के लिए मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। ठाणे के बढ़ते विस्तार को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज केंद्रीय शहरी विकास मंत्री के समक्ष 'ठाणे रिंग मेट्रो प्रोजेक्ट' का मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित एक बैठक के लिए नई दिल्ली में थे, ने महाराष्ट्र की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री आज शिंदे के दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि रिंग मेट्रो प्रोजेक्ट ठाणे के लोगों के लिए कितना जरूरी है. बैठक के दौरान महाराष्ट्र के शहरी क्षेत्रों में विभिन्न बुनियादी और ढांचागत परियोजनाओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने यह भी मांग की कि ठाणे रिंग मेट्रो परियोजना को आगे बढ़ाते हुए मेट्रो कोचों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। विज्ञान भवन में वामपंथी विचारधारा के कारण उत्पन्न उग्रवाद की स्थिति पर बैठक के बाद मुख्यमंत्री श्री. शिंदे ने तुरंत केंद्रीय शहरी विकास मंत्री श्री. पुरी से मुलाकात हुई. उनके साथ मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव ब्रिजेश सिंह, महामेट्रो के प्रबंध निदेशक श्रवण हार्डिकर मौजूद थे. महाराष्ट्र में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं को केंद्र सरकार का समर्थन मिल रहा है। इसलिए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं. इस बैठक में मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से ठाणे मेट्रो को लेकर विस्तृत चर्चा की. ठाणे शहर में वर्तमान में दो मेट्रो परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। शहर का विस्तार हो रहा है और शहर-जिले की जनसंख्या भी बढ.रही है। ठाणे के एक रेलवे स्टेशन से ७ से ८ लाख यात्रियों का आवागमन होता है। इसलिए २९ किलोमीटर लंबी ठाणे रिंग मेट्रो की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट मंजूरी के लिए केंद्र को सौंपी गई है और इसे मंजूरी देने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ने मेट्रो कोचों की संख्या बढाने का भी अनुरोध किया है. अभी और भविष्य में भी मेट्रो कोच बढाने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि रिंग मेट्रो परियोजना रिपोर्ट को मंजूरी देते हुए मेट्रो कोचों की संख्या बढाने की मुख्यमंत्री की मांग पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। इस मौके पर महाराष्ट्र के शहरी इलाकों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की गई. कुल २९ किमी लंबी इस परियोजना में २६ किमी लंबा मार्ग एलिवेटेड और ३ किमी लंबा मार्ग भूमिगत है। परियोजना के तहत कुल २२ स्टेशन हैं जिनमें से दो स्टेशन भूमिगत होंगे। भूमिगत स्टेशनों में से एक को ठाणे रेलवे स्टेशन से जोडा जाएगा। शहर के अन्य स्टेशनों को मेट्रो कॉरिडोर से जोडा जाएगा।

निजी बसों पर दिखा टोल वृद्धि का असर बस संचालकों का किराया बढाने का फैसला

जेकेएस संवाददाता

मुंबई: पहले से पेट्रोल-डीजल की कीमतों की बढोतरी से परेशान मुंबई के बस संचालकों पर टोल बढोतरी की मार पडी है। इससे निजात पाने के लिए अब स्कूल बसों के किराए में बढोतरी करने का निर्णय

लिया है। बस संचालकों ने ५ फीसदी किराया बढाने का फैसला लिया है। बता दें कि मुंबई में प्रवेश करते समय या मुंबई से बाहर जाते समय पश्चिम एक्सप्रेसवे, पूर्व एक्सप्रेसवे मुलुंड, लाल बहादुर शास्त्री मुलुंड ठाणे, वाशी सायन पनवेल हाईवे पर टोल बूथों से होकर गुजरना पडता है। इन टोल नाकों पर टोल टैक्स बढा दिया गया है। इस टोल वृद्धि को लेकर स्कूल और निजी बस चालकों ने बैठक ली जिसमें बसों के किराए में ५ फीसदी किराया बढोतरी पर निर्णय लिया गया है। इस बैठक में सभी बस चालकों ने किराया बढोतरी पर सहमति भी जताई है, जिसे एक अक्टूबर से लागू कर दिया गया है।

अस्पताल में मरने वालों के परिजनों मिले सहायता - महाराष्ट्र रत्न अनिलभाई गांगुर्डे

संजय बोर्डे

नांदेड. डॉ. शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल में पिछले चार दिनों से करीब ५५ मरीजों की मौत से पूरा महाराष्ट्र हिल गया है और स्वास्थ्य व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं. हालाँकि मरने वालों में नवजात बच्चे भी शामिल हैं, लेकिन मृतकों के परिजनों को तत्काल सरकारी सहायता की घोषणा की जानी चाहिए और उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और परिजनों को दस लाख की सहायता देने की घोषणा की जानी चाहिए और विभिन्न मांगों को पूरा किया जाना चाहिए। आरपीआई (अठावले) समूह के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने क्षतिपूर्ति क्षेत्रों के आदेश दिए। नांदेड.कलेक्टर अभिजीत राऊत आईएएस से मुलाकात के बाद नेता और महाराष्ट्र रत्न अनिलभाई गांगुर्डे, राज्य आयोजक विजय दादा सोनवणे के संगठन की ओर से एक बयान दिया गया।. उन्होंने मरीजों और मरीजों के रिश्तेदारों से भी मुलाकात की और अस्पताल के डीन डॉ. एसआर वाकोडे से भी मुलाकात की और स्थिति का जायजा लिया. नांदेड.में जो घटना घटी वह बहुत दुखद घटना है जिस पर चिंता जरूरी है. राज्य नेता अनिलभाई गांगुर्डे ने इन शब्दों में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हम इस दर्द में शामिल हैं..! राज्य के नेता और महाराष्ट्र रत्न अनिलभाई गांगुर्डे मराठवाडा के दौरे पर थे, अधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर उनका स्वागत किया और उनसे बातचीत की और विभिन्न विषयों पर चर्चा की और कुछ अधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके सामने अपने सुझाव और समस्याएं भी रखीं। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्य नेता अनिलभाई गांगुर्डे ने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही मराठवाडा का फिर से दौरा करेंगे और समस्या का समाधान करेंगे.

सायबर क्राइम से बचने के लिए नई मुंबई पुलिस ने किया जागरूकता अभियान

नई मुंबई : नई मुंबई पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे के जिम्मेदारी संभालने के बाद नई मुंबई शहर में कई बदलाव देखने को मिल रहा है। वर्तमान में सबसे ज्यादा सायबर सेक्टर से जुडे.अपराधिक मामले सामने आ रहे हैं। इन सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए नई मुंबई पुलिस पूरी तरह अलर्ट हो गई है और नई मुंबई पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में नई मुंबई पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को वाशी स्टेशन स्थित सिडको एक्जीविसन सेंटर में सायबर

अपराध पर नागरिकों को जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त के साथ फिल्म अभिनेत्री पूजा हेगडे.ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सायबर अपराध को लेकर जन जागरूकता शुरू करने के लिए सायबर अवरनेस के तहत नई मुंबई के कॉलेजों के छात्रों के लिए एक सायबर जागरूकता समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कॉलेज के विद्यार्थियों को वीडियो क्लिप और डांस के माध्यम से सायबर अपराध कैसे किया जाता है, इसके बारे में उन्हें जागरूक किया गया। पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे ने विश्वास जताते हुए कहा कि यही छात्र आगे बढक़र सायबर योद्धा की भूमिका में अपने क्षेत्र के नागरिकों और पडोसियों को जागरूक करेंगे। अभिनेत्री पूजा हेगडे.भी इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित हुईं। उन्होंने नई मुंबई पुलिस द्वारा आयोजित सायबर अपराध को रोकने के लिए शुरू इस जगरूगता अभियान के पहल की सराहना करते हुए कहा कि लोगों को सायबर वॉरिएंट बनकर लोगों को जागरूक करना चाहिए, चूंकि आज पूरे देश में सायबर अपराध के मामले बडी तेजी से बढ.रहे हैं। एटीएम फ्राड, केवायसी फ्रॉड, लॉटरी फ्रॉड के नाम पर हो रही धोखाधडी की जानकारी देते हुए कहा कि इस तरह से किसी का भी फोन कॉल आने पर उसका जवाब फोन पर नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि बैंक की तरफ से इस तरह के फोन कभी नहीं आते। इसलिए सीधे अपने ब्रांच में जाकर जानकारी दें अथवा किसी भी डॉक्यूमेंट का आमने-सामने व्यवहार करें। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस के आला अधिकारियों सहित कॉलेज के छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

रणवीर बाजपई की कार्यकुशलता से रवि तिवारी हुए प्रभावित

जेकेएस संवाददाता

मीरा-भाईंदर । भाजपा नेता और मीरा-भाईंदर शहर के युवा प्रभारी विगत दिनों मीरा-भाईंदर शहर के दौरे पर थे, ज्ञात हो की वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चल रहे सेवा पखवाडा स्वछता अभियान के तहत शहर में आए थे रवि तिवारी इस अभियान मे शामिल हुये और उन्होंने अभियान से जुड़े समस्त युवाओं का उत्साहवर्धन किया इस दौरान रवि तिवारी भाजपा के पूर्व प्रवक्ता और मीरा-भाईंदर शहर के नवनिर्वाचित महामंत्री रणवीर बाजपई के कार्यालय पर पहुंचे, जहां युवा मोर्चा को लेकर विभिन्न मुद्दे पर चर्चा हुयी रवि तिवारी अपने कुशल नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं और वह युवा प्रदेश अध्यक्ष राहुल लोणीकर एवं पूर्व अध्यक्ष विक्रांत पाटिल के करीबी भी माने जाते है। मीरा-भाईंदर शहर के नवनिर्वाचित महामंत्री रणवीर बाजपई कट्टर भाजपा समर्थक माने जाते हैं, वह कई वर्षों से भाजपा के साथ जुडे.हुए हैं, उन्होंने पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता के हर एक अभियान में अपने युवा वर्ग के साथ अपना बहुमूल्य सहयोग दिया है .

मीरारोड के काशिगांव इलाके में समस्याओं का अंबार, जनता सुविधाओं से वंचित

जेकेएस संवाददाता

मीरा-भाईंदर: पालघर, भिवंडी, कल्याण- डोंबिवली के दूर-दराज गांवों से अक्सर खबरें आती हैं कि वहां मूलभूत सुविधाओं की कमी है। लेकिन, मीरा-भाईंदर, मुंबई से सटा हुआ है, वहां भी एक इलाका ऐसा हैं जहां पिछले १० साल से बिजली, पानी और सडक़ जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं। यह इलाका है काशिगांव का मासचा पाडा मासचा पाडा में लगभग १,९०० परिवार रहते हैं और आज भी इन परिवारों का जीवन रोज एक संघर्ष है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि मीरा- भाईदर के जिस प्रभाग में यह क्षेत्र आता है, उस प्रभाग से शहर को ज्योत्स्ना हसनाले के रूप में महापौर

भी मिल चुकी है। लेकिन, इस प्रभाग से चुनकर ढाई साल महापौर बनने के बावजूद वह इस परिसर के लोगों में जीवन उजाला नहीं कर पाई। १० साल से बिना बिजली के जीवन: कैलाश यादव अपनी पत्नी सरिता यादव और १२ बच्चों के साथ यहां १० साल से रहते हैं। सरिता यादव बताती हैं कि विगत १० साल से वह विजली का इंतजार कर रही है। उनके दोनों बच्चों ने बिना बिजली के पढाई की है। बिजली न होने के कारण गर्मी के महीने में काफी दिक्कतो का सामना करना पडता है।

यहाँ -आते योजनाएं दम तोड.देती आयोजना मासचा पाडा लेकिन केंद्र और राज्य सरकार पाडा से कुछ किलोमीटर की दूरी पर बसा है, लेकिन केंद्र की योजनाएं यहाँ आते-आते दम तोड.देती हैं। यहां के रहिवासियों को न तो उज्ज्वला योजना का गैस सिलिंडर मिलता है, न ही स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कोई शौचालय है। सडक़ के नाम पर यहाँ कुछ नहीं है, क्योंकि जो है उसे सडक़ नहीं कहा जा सकता। सरिता के दोनों बच्चों ने सोलर से चलने वाली एक छोटी सी लाइट की रोशनी में पढाई की है। आज बडी लडक़ी बारहवीं और लडक़ा दसवीं में पढ.रहा है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बेटी ने दसवी में ८५ फीसदी से अधिक अंक हासिल किए है। इस परिसर के ज्यादातर बच्चों का यही हाल है। स्थानीय समाजसेवक रामभुवन शमा के प्रयासों से अब इस यहाँ पर बिजली देने का काम शुरू हो रहा है और कुछ घरों तक कनेक्शन पहुंचे हैं ५-६ हजार की बस्ती में एमबीएमसी का कोई टॉइलेट नहीं है। लोगों ने अपने पैसे जम कर कुछ टॉइलेट का निर्माण के करवाया है, लेकिन वे टॉइलेट के नाम पर टूटे दरवाजों के साथ खडे. ढांचा रहे। मात्र

पानी का कनेक्शन नहीं, टैंकर का सहारा

दिनेश मौर्य भी १० साल से यहां रहते है। वह बताते हैं कि सभी लोग पैसा जमाकर एक टैंकर पानी मंगाते है और उसे बंट लेते है। इस पानी को ७ दिन तक स्टोर कर रखना पडता है, क्योंकि टैंकर ७ दिन में एक ही बार मंगाया जाता है।

वाहनों की संख्या की वृद्धि के चलते जनत के लिए पे एण्ड पार्क की योजना

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : मुंबई से सटे होने और तेजी से शहर का विकास होने के कारण मीरा- भायंदर की आबादी के साथ-साथ वाहनों की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्धि हुई है. पुरानी इमारतों में विकासकों द्वारा वाहनों की पार्किंग के लिए जगह न छोडे.जाने मेट्रो लाइन निर्माण और टोल नाका आदि की वजह मीरा-भायंदर की मुख्य सडक़ों पर निरंतर ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है. वहीं सडक़ों के किनारे वाहन खडी करने पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने का डर भी वाहन मालिकों-चालकों में बना रहता है. इन समस्याओं के समाधान के लिए मनपा और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से पहली बार पहल की है, जिसमें मनपा प्रशासन शहर के कुछ चुनिंदा सडक़ों के किनारे पे एंड पार्क की सुविधा उपलब्ध कराएगी. वहीं मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय ने भी शहर में वाहनों के

यातायात के लिए नई नीति बनाई है, जिस पर सुझाव और आपत्ति दर्शाने के लिए १५ दिनों का समय नागरिकों को दिया गया है. मनपा प्रशासन ने शहर के करीब १४ सडक़ों पर 'पे एंड पार्क' की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बनाई है, उन सडक़ों पर पहले पार्किंग स्थल के लिए चौकोर निशान बनाए जायेंगे. मनपा द्वारा तैयार किए गए नक्शे के अनुसार उन स्थलों पर २.१४७ चार पहिए वाहन और ३.७३९ दो पहिए वाहन पार्क किए जा सकेंगे, जिससे मनपा की आय को सालाना ८.२५ करोड.रुपए में इसके लिए अपेक्षित है. न है. २०२२ अक्टूबर में इसके पहली बार निविदा जारी की गई थी, उक्त निविदा की अवधि ९ बार बढाए जाने के बाद भी कोई ठेकेदार इस कार्य ठेका लेने के लिए आगे नहीं आया था, लेकिन इस कार्य का ठेका लेने के लिए हाल ही में एक ठेकेदार का चयन किया गया है, जिसके साथ शीघ्र ही मनपा करार करेगी. इन पार्किंग स्थलों पर पार्क की जाने वाली वाहनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी ठेकेदार की होगी. ऐसी जानकारी उपायुक्त कल्पिता पिपले ने दी है.

मीरा-भायंदर शहर में यातायात की नीति ठाणे ग्रामीण पुलिस द्वारा लागू की गई थी. शहर की जनसंख्या और वाहनों की संख्या की वृद्धि तथा शहर के विकास को देखते हुए उक्त नीति पुरानी हो गई थी, जिससे शहर में यातायात व्यवस्था में दिक्कतें और ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो रही थी. इसको ध्यान में रखते हुए मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस ३ आयुक्तालय द्वारा शहर में यातायात की नई नीति निर्धारित की गई नई है. नई नीति । निर्धारित करने से पूर्व मनपा प्रशासन के साथ मिलकर शहर के भीडभाड. वाले क्षेत्र. पार्किंग नो पार्किंग, सम-विषम पार्किंग, फेरीवाले पार्किंग-नो क्षेत्र आदि का सर्वेक्षण किया गया है. की नई नीति में पार्किंग नो पार्किंग, सम-विषम पार्किंग जोन, संकरे सडक़ों को 'वन वे' मार्ग, व्यस्त सडक़ मागों पर भारी वाहनों की 'नो एंट्री' तथा कुछ स्थलों पर १० मिनट पार्किंग की छूट निर्धारित की गई है. इस नए यातायात नीति पर शहर के नागरिकों के सुझाव और आपत्ति के लिए १५ दिनों का समय दिया गया है, उसके बाद आवश्यकता होने पर इसमें कुछ फेरबदल कर इस नीति को लागू की जाएगी.

शहर के जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों की राय और जगह के वास्तविक तथ्यों को ध्यान में रखकर और वास्तविक निरीक्षण कर नई पार्किंग नीति तैयार की गई है. शहर में यातायात को सही ढंग से प्रबंधित करने और नागरिकों को होने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए यातायात विभाग द्वारा नई पार्किंग नीति को सख्ती से लागू की जाएगी. शहरवासियों से मनपा प्रशासन व यातायात पुलिस को सहयोग अपेक्षित है.

बीजेपी के युवा मोर्चा के लोगों ने किया रक्तदान शिबिर का आयोजन

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : पिछले कुछ दिनों से मीरा भाईंदर युवा मोर्चा की काफी चर्चा हो रही। लगातार सेवा कार्यक्रम, अलग अलग योजनायों के कैंप लगाना या फिर रक्तदान शिबिर सभी जगह युवा मोर्चा बढ चढ कर भाग ले रही है। हाल मे भाजपा जिल्हाध्यक्ष किशोर शर्मा द्वारा भाजपा मीरा भाईंदर के नये पदाधिकारी घोषित किये गये है। युवा मोर्चा के अध्यक्ष के साथ तीन नये महामंत्री रणवीर बाजपई, रितेश शाह एवं करनी चरण का नाम घोषित किया गया। अब लग रहा है की पद वितरण के बाद तीनो युवा महामंत्री पूर्व शक्ति से मैदान पर उतर चुके है। सोमवार गाँधी जयंती निमित्त रक्तदान शिबिर मे भी कुछ इसी तरह की कहानी दिखाई दी। बड़ी संख्या

मे युवा रक्तदान करने समने आये और कार्यक्रम मे रणवीर बाजपेई, रितेश शाह, युवा नेता विशाल पाटिल, राजीब गुइन, कुणाल शुकल इन सभी ने मोर्चा संभाला। रणवीर बाजपेई ने कहा प्रदेश अध्यक्ष राहुल लोणीकर, युवा प्रभारी रवि तिवारी जी के मार्गदर्शन मे हम निरंतर काम कर रहें है, और आगे भी इसी तरह सेवा कार्य चलता रहेगा। जिस समन्वय से युवा मोर्चा काम कर रहा है, लग रहा है आने वाले चुनाव मे भाजपा का कोई तोड़ नहीं है।

तेंदुए के आतंक से दहशत का माहोल

जेकेएस संवाददाता

भायंदर. भायंदर पश्चिम उत्तन, डोंगरी के पास पालखाडी के ग्रामीण क्षेत्र में रात्रि के समय एक तेंदुए के विचरण करने का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद एक बार फिर ग्रामीणों की रात डर के साए में बीत रही है. पालखाडी गांव के आंबी घार्षी नामक ग्रामीण के घर के पास ४ अक्टूबर की देर रात २.३० बजे के आसपास एक तेंदुए विचरण करते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था. इसके बाद से आस-पास के ग्रामीणों की रातों की नींद उड.गई है. गुरुवार वन विभाग के अधिकारियों ने इस परिसर का मुआयना किया और ग्रामीणों को तेंदुए से अपनी

रक्षा करने, सावधानी बरतने के मार्गदर्शन किए. साथ ही वन अधिकारियों ने तेंदुए के आने-जाने के मार्ग पर नजर रखने के लिए कैमरे लगाए हैं. इससे पूर्व भी अगस्त २०२२ में इस परिसर में रात्रि के समय विचरण करते हुए एक तेंदुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था. इसके बाद २४ मार्च २०२३ को डोंगरी के पालखाडी गांव के ही स्थानीय किसानों द्वारा फसल को नुकसान पहुंचाने वाले जंगली सुअर को पकडने के लिए लगाए गए पिंजरे के ट्रैप (जाल) में एक तेंदुआ कैद हो गया था. स्थानीय निवासी फ्रीडा मोराईस द्वारा इसकी सूचना वन अधिकारियों को दिए जाने के बाद वन अधिकारी विजय बराबदे तथा प्राणी चिकित्सक निखिल बांगर अपने दल के साथ वहां आकर सुअर के पिंजरे में फंसे तेंदुए को अपने साथ लाये पिंजरे में स्थानांतरित कर उसे अपने साथ संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में ले गए थे. भायंदर पश्चिम के उत्तन, डोंगरी रोड पर स्थित 'केशव सृष्ठि परिसर के पास पालखाडी गांव में एक तेंदुआ (लेपर्ड) के विचरण करने की खबर से स्थानीय निवासियों में एक भय का माहौल व्याप्त है. केशव सृष्ठि करीब १५० से अधिक एकड. क्षेत्रफल में फैला एक नैसर्गिक पहाडी परिसर है, जो जंगल, नदी, तालाब, पहाड. से घिरा हुआ है. जहां पर शैक्षणिक, प्रलुप्त हो रही वनस्पतियों के संरक्षण-संवर्धन, जड़ी-बूटियों के परीक्षण, कृषि क्षेत्र में शोध, गो-सेवा केंद्र. आवासीय विद्यालय, वानप्रस्थ आश्रम आदि विभिन्न प्रकार के उपक्रम संचालित किए जाते हैं. इस परिसर में कई आदिवासी पाडाये भी स्थित हैं. गांव के पालतू जानवरों के शिकार के लिए शायद तेंदुआ यहां आता हो, उसके आने-जाने के मार्ग की निगरानी के लिए कैमरे लगाए गए हैं, जिसकी मदद से कुछ दिन तेंदुए पर नजर रखी जाएगी. उसके बाद उसे पकडने के लिए पिंजरा लगाने का निर्णय लिया जाएगा. तब तक तेंदुए से सावधा बरतने के उपाय के संदर्भ में ग्रामीणों को मार्गदर्शन दिया गया है.

मनपा के आयुक्त ने सरकारी अस्पताल का किया दौरा

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : मीरा भाईंदर नगर निगम मान. आयुक्त एवं प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर (बी.पी.एस.) ने नगर निगम क्षेत्राधिकार के अंतर्गत इंदिरा गांधी अस्पताल का औचक दौरा किया और वहां स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त संजय शिंदे, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी नंदकिशोर लहने और अन्य अस्पताल कर्मचारी उपस्थित थे। स्वास्थ्य व्यवस्था मीरा भायंदर नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए मा. कमिश्नर ने अस्पताल का जायजा लिया. यह जांचा गया कि अस्पताल में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक, डॉक्टरों की उपलब्धता, मैनपावर, इलाज के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं या नहीं. यदि दवा, सामग्री के अतिरिक्त स्टॉक की आवश्यकता हो तो इसकी रिपोर्ट तत्काल संबंधित अधिकारी को दी जाए तथा उसे तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए जाएं। आयुक्त ने दिया. माननीय ने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य व्यवस्था में अतिरिक्त खरीदारी करते समय कोई विलंब न हो। आयुक्त ने दिया. साथ ही अस्पताल के शौचालयों को नियमित रूप से साफ-सुथरा रखने का निर्देश दिया गया है. आयुक्त एवं प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर (भा.पु.से.) ने दी।

मिरा भाईंदर में जमकर काटे चलान, ट्रैफिक पुलिस ने किया कमाल

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस के यातायात विभाग से प्राप्त आंकडों के अनुसार, जनवरी २०२२ से सितंबर २०२३ तक पिछले २२ महीनों में विभिन्न यातायात नियमों का उल्लंघन करने के लिए यातायात पुलिस विभाग द्वारा कुल ३,४४,३२७ चालान जारी किए गए, जिनके खिलाफ देय जुर्माना २०.१७ करोड.रुपये से अधिक है. जहां २,६३,५३२ अपराधियों ने १४.१२ करोड.रुपये से अधिक राशि का भुगतान करके चालान का भुगतान किया है, वहीं ६.०५ करोड.रुपये से अधिक की राशि वाले ८०.७९५ चालान का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। मैन्युअल जुर्माने के अलावा,

६३९ ई-चालान या तो स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरों द्वारा या मीरा भायंदर नगर निगम (एमबीएमसी) द्वारा स्थापित कमांड और कंट्रोल सेंटर (सीसीसी) पर कैमरा फुटेज देखने वाले ट्रैफिक पुलिस कर्मियों द्वारा उत्पन्न किए गए हैं। अप्रैल, २०२३ से भयंदर पूर्व में ज्यादातर मामले सिग्नल जंपिंग, मोबाइल फोन पर बात करने या बिना सीट बेल्ट के गाडी चलाने, बिना हेलमेट और ट्रिपल सीट सवारी से संबंधित हैं। १९८ वार्डन के अलावा, काशिमीरा ट्रैफिक यूनिट में १०५ कर्मचारी हैं, जिनमें चार अधिकारी और १०१ कर्मचारी शामिल हैं, जो हाथ से चलने वाले ६० ई- चालान उपकरणों से लैस हैं। इस बीच, यातायात पुलिस ने नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर पूरे मीरा भायंदर शहर में अपने सीसीटीवी कैमरा तंत्र को बढाने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है ज्ञात रहे कि यातायात पुलिस विभाग को जुर्माना न भरने वाले उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ अदालत में मामला दायर करने का अधिकार है. हालांकि अवैतनिक चालानों की संख्या २०% से ऊपर है, प्रकाश गायकवाड के मुताबिक यातायात शाखा राज्य में अन्य समकक्षों की तुलना में रिकवरी के मामले में टॉप पर है। हम ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) से लैस ई-चालान उपकरणों की मदद से पिछले जुर्माने की रिकवरी करके अवैतनिक बकाया के बोझ को कम करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक चालान प्रणाली को मौके पर ही जुर्माना वसूलने में सक्षम बनाता है।

मैराथन दौड में वरिष्ठ नागरिकों का मिला भारी प्रतिसाद

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: मीरा भायंदर महानगरपालिका के समाज विकास विभाग के अंतर्गत तीन दिवसीय मनाए जाने वाले वरिष्ठ नागरिक दिवस को लेकर विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम को लेकर ४ अक्टूबर को आयुक्त एवं प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कार्यक्रम 'मैराथन ' उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयुक्त संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त कल्पिता पिंपले, उपायुक्त रवि पवार, शहर सचिव वासुदेव शिवनकर और जनसंपर्क अधिकारी राज घरत समाज विकास अधिकारी दीपाली पवार, सहायक आयुक्त जितेंद्र कांबले सहित मनपा अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। आयुक्त एवं प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर, तथा अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पानपट्टे के मार्गदर्शन में और उपायुक्त कल्पिता पिंपले की योजना के अनुसार, वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर सामाजिक विकास विभाग ने विशेष कार्यक्रम 'वरिष्ठ नागरिक कार्यक्रम २०२३- २४' के तथत मैराथन का आयोजन किया। जहा पर नागरिकों ने स्वत:स्फूर्त भाग लिया, आयुक्त के साथ अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त, अधिकारी वर्ग और पूर्व नगरसेवकों ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान से राधास्वामी सत्संग रोड तक ३ किमी की मैराथन में भाग लिया। इस दौड.में प्रथम स्थान प्राप्त निरंजन सरकार, द्वितीय स्थान सालिक गुप्ता एवं तृतीय स्थान प्राप्त अशोक शर्मा को आयुक्त द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता प्रारंभ होने से पूर्व चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई थी। साथ ही दमकल गाडी और एक फायर ब्रिगेड भी मौके पर मौजूद थी. इसमें ६० वर्ष से लेकर ७५ वर्ष तक के नागरिकों ने भाग लिया और इस उम्र में भी ३ किलोमीटर की दौड. पूरी करने की क्षमता दिखाई। आयुक्त एवं प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर ने धावको को धन्यवाद दिया।

जनता को ट्रैफिक से मिलेगी मुक्ती, एलिवेटेड लिंक रोड बनाने का निर्णय

जेकेएस संवाददाता

मुंबई, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर दहिसर टोल नाके के पास यातायात जाम से होने वाली परेशानी से मुक्ति मिलने वाली है. मुंबई के प्रवेश द्वार पर होने वाली भारी ट्रैफिक जाम को देखते हुए दहिसर से भायंदर तक एलिवेटेड लिंक रोड बनाने का निर्णय लिया गया है. इससे १० मिनट में दहिसर से भायंदर पहुंचा जा सकेगा. बीएमसी एवं एमएमआरडीए के माध्यम से बनने वाली इस लिंक रोड निर्माण

का जिम्मा एलएंडटी कंपनी को दिया गया है. ५ किमी का डीबीएलआर दहिसर टोल नाका पर भीड.कम करने के अलावा, दहिसर - भायंदर लिंक रोड ५ किमी लंबा और ४५ मीटर चौडा होगा. यह लिंक रोड डेढ.किमी मुंबई मनपा की सीमा जबकि ३.५ किमी मिरा भायंदर की सीमा में होगी. बताया गया कि इस बहुउद्देशीय लिंक रोड को बनाने के लिए जे कुमार इंफ्रा प्रोजेक्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो और एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर मैदान में थी, लेकिन सबसे कम बोली लगाने वाली एलएंडटी ने ठेका हासिल किया. दहिसर (पश्चिम) को भायंदर (पश्चिम) को जोडने वाले इस लिंक मार्ग के निर्माण पर १,९५९ करोड.रूपए खर्च होंगे. उल्लेखनीय है कि मुंबई और एमएमआर उपनगर के बीच कनेक्टिविटी बढाने वाले इस प्रोजेक्ट को वर्ष २०१६ में एमएमआरडीए ने हरी झंडी दी थी, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ा. बाद में परियोजना की जिम्मेदारी बीएमसी को दे दी गई. वैसे इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए निविदा पिछले वर्ष अक्टूबर निकाली गई थी. गौरतलब है कि एलएंडटी वर्तमान में दक्षिण मुंबई में बीएमसी की मुंबई कोस्टल रोड परियोजना पर भी काम कर रही है, जिसे तीन चरणों में विभाजित किया गया है. दहिसर भायंदर लिंक रोड के लिए सीआरजेड, साल्ट पैन लैंड विभाग के साथ पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से एनओसी आदि इजाजत लेने की जिम्मेदारी भी कंपनी की होगी.

नो पार्किंग व पार्किंग को बढाने की पहल, पार्किंग में मिलेगी छूट

भायंदर। मीरा-भायंदर,वसई-विरार में यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए नई यातायात नियंत्रण नीति गुरुवार को प्रायोगिक तत्व पर लागू कर दी गई।नई नीति में २७२ पार्किंग/ नो पार्किंग के अलावा एक दिशा पार्किंग(सम/विषम पार्किंग),९ वन-वे तथा ५ मार्गों पर भीडभ़ाड.के वक्त भारी वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी के अलावा मीरा-भायंदर के चुनिंदा तीन ठिकानों पर १० मिनट तक पार्किंग करने की छूट दी गई है।नागरिक १५ दिन के भीतर आक्षेप और सुझाव पुलिस आयुक्तालय में उपायुक्त(प्रशासन) के पास दे सकते हैं। पुलिस उपायुक्त (यातायात) प्रकाश गायकवाड. ने पत्रकार परिषद में बताया कि मीरा भायंदर की सुधारित/ विस्तारित तथा वसई-विरार की नई(पहली बार) यातायात नियंत्रण पॉलिसी वे घोषित कर रहे हैं।मीरा भायंदर मनपा, वसई - विरार मनपा तथा पुलिस ने संयुक्त रूप से मौका मुआयना कर नई व सुधारित पॉलिसी बनाई है।२७२ ठिकानों पर पार्किंग/ नो पार्किंग जोन बनाए गए हैं।इनमें काशीमीरा क्षेत्र(मीरा भायंदर) में ५७,वसई क्षेत्र में १०६ तथा विरार क्षेत्र में १०९ पार्किंग/ नो पार्किंग जोन बनाए गए हैं। काशीमीरा क्षेत्र में पहले ३१ पार्किंग/नो पार्किंग जोन थे।दोनों शहरों में कुल ९ वन- वे किए गए हैं।काशीमीरा क्षेत्र में तीन,वसई क्षेत्र में दो तथा विरार क्षेत्र में चार वन वे बनाए गए हैं। मीरा भायंदर के तीन संकरे और व्यस्ततम मार्गो को नो पार्किंग जोन तो किया गया है,लेकिन इन पर १० मिनट तक पार्किंग की छूट दी गई।इनमें भायंदर पूर्व में बीपी रोड नाके से फाटक चर्च तक(केबिन रोड),मीरा रोड स्टेशन के नजदीक में मच्छी मार्केट के समीप जाली मार्केट,सेंट्रल बैंक के सामने और आस पास कुछ मार्ग तथा भायंदर पाश्चिम में पुलिस स्टेशन के पास प्रभाग समिति कार्यालय से बस डिपो की ओर जाने वाले मार्ग पर राज पब्लिसिटी तक का मार्ग शामिल किया गया है।उपायुक्त गायकवाड. ने कहा कि पुलिस पहले गाडी हटाने के लिए अलाउंस करेगी,फिर १० मिनट के बाद टोइंग की जाएगी।मालूम हो, कि भाजपा के तत्कालीन जिला अध्यक्ष एडवोकेट रवि व्यास तथा सुरेश खंडेलवाल ने इस तरह की व्यवस्था की मांग की थी।उपायुक्त गायकवाड. ने कहा कि धर्मस्थल,विद्यालय,बैंक,अस्पताल तथा सरकारी कार्यालयों के बाहर यह व्यवस्था जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की मांग के अनुरूप की गई है। भायंदर में चार मार्गो तथा वसई में एक मार्ग पर भिडभ़ाड. वाले समय में भारी वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है। इनमें गोल्डन नेस्ट सर्कल से फाटक की ओर जाने वाला मार्ग, इंद्रलोक नाके से भयंदर पूर्व भाग की ओर जाने वाले मार्ग,गोल्डन नेस्ट से मैंक्सेस मॉल मार्ग से टेंबा हॉस्पिटल की ओर जाने वाला रोड, सुभाषचंद्र बोस कॉर्नर की ओर तथा ९० फीट रोड का की ओर जाने वाला मार्ग शामिल है।इन पर सुबह ८ बजे से १२ बजे तथा शाम ५ बजे से रात ८ बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी।इसी तरह वसई में नवघर पूर्व एमआईडीसी से वसई पूर्व रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले मार्ग पर सुबह ६ बजे से रात्रि ९ बजे तक सभी तरह के भारी वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी रहेगी।इसके लिए पर्यायी मार्ग सुनिश्चित कर दिया गया है। दहिसर टोल नाका से विरार टोल नाका तक हाईवे और हाईवे किनारे सर्विस रोड, भायंदर - काशीमीरा रोड,वेस्टर्न होटल से गोल्डन नेस्ट रोड पूरी तरह से नो पार्किंग कर दिया गया है।गायकवाड.ने बताया कि चौक चौराहों के मोड पर ५ से ५० मीटर तथा रेलवे स्टेशन रोड पर १०० मीटर के दायरे को नो पार्किंग जोन कर दिया गया है।उन्होंने कहा की जहां नो पार्किंग का बोर्ड होगा,गाडिय़ां वहीं से उठाई जाएंगी।

शहर में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए जागरुक अभियान

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : मनपा आयुक्त एवं प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान मीरा- भायंदर मनपा वर्ष २०२२-२३ पर्यावरण रिपोर्ट बुधवार को जारी किया गया. इस अवसर पर अति आयुक्त अनिकेत मानोरकर, संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड, उपायुक्त संजय शिंदे, उपायुक्त रवि पवार, उपायुक्त कल्पिता पिंपले और नगर निगम विभाग प्रमुख और अधिकारी उपस्थित थे. रिपोर्ट में कहा गया कि हवा, पानी, पर्यावरण की स्थित संतोषप्रद है, जबकि ध्वनि प्रदूषण वृद्धि पर चिंता प्रकट की गई है और इसे नियंत्रित करने के उपाय सुझाए गए हैं. ८० पन्नों की पर्यावरण रिपोर्ट कल्याण के पर्यावरण सलाहकार मनु सृष्ठि ने तैयार की है. मनपा प्रशासन ने इस रिपोर्ट की सराहना की है और कहा है कि सभी उम्मीदों के अनुरूप

यह रिपोर्ट तैयार की गई है. रिपोर्ट में हर पहलू पर बात: रिपोर्ट में वृक्षारोपण से लेकर मनपा की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया हैं, जिसमें पर्यावरण रिपोर्ट की पृष्ठभूमि, शहर का संक्षिप्त परिचय, मेरी वसुंधरा अभियान, वायु-जल-ध्वनि की गुणवत्ता की निगरानी और मूल्यांकन, घन कचरा प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, स्वच्छ वायु कार्य योजना के तहत निधि का आवंटन, पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन और जागरूकता आदि का समावेश किया गया है. रिपोर्ट के अनुसार शहर का तापमान प्रति वर्ष ६३८ डिग्री सेल्सियस की वृद्धी हो रही है, जिससे धूप की उष्णता अधिक तीव्र होती जा रही हैं. वाणिज्यिक क्षेत्र का कचरा ४०.५०६ टन और घरेलू कचरा २ लाख ८१ हजार ८१६ टन जमा हुआ है. शहर की ६.४७९ हेक्टेयर भूमि में से १५१२ हेक्टेयर अर्थात २३.३४% भूमि का उपयोग आवासीय क्षेत्र के लिए किया जाना प्रस्तावित है, जबकि ३७६२ हेक्टेयर यानी ५८% हिस्सा नॉन डेवलपमेंट जोन (ना विकास क्षेत्र) के तौर पर रखा जाना प्रस्तावित किया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि शहर के १२ प्रमुख चौराहों पर हवा की गुणवत्ता संतोषजनक है. घोडबंदर और भायंदर २ की खाडिय़ों के पानी का भी परीक्षण किया गया और वह उचित गुणवत्ता का पाया गया.

रिपोर्ट के अनुसार शहर में ट्रैफिक जाम और भीडभ़ाड.वाले क्षेत्र में ध्वनि प्रदूषण में वृद्धि बताई गई है. मनपा ने वायु प्रदूषण को मापने के लिए शहर के १२ चौराहों पर वायु का परीक्षण किया है. इसमें काशीमीरा नाका, भायंदर पश्चिम पुलिस स्टेशन, भायंदर पश्चिम रेलवे स्टेशन, मीरा रोड रेलवे स्टेशन, भायंदर पूर्व केबिन रोड, भायंदर पूर्व बीपी रोड, भायंदर पूर्व नवघर स्टेशन रोड, एसके स्टोन चौक, उत्तन- धावगी स्थित घनकचरा प्रकल्प, उत्तन नाका, पाली चर्च और कनकिया पुलिस स्टेशन आदि क्षेत्र शामिल हैं, जिसमें यह पाया गया है कि काशीमीरा नाका पर सबसे अधिक ८४.१ डेसीबल मीटर ध्वनि प्रदूषण है. इसकी तुलना में अन्य चौकों पर प्रदूषण की मात्रा एक दूसरे से दो से तीन डेसिबल मीटर ही कम पाई गई.

रिपोर्ट के अनुसार शहर में ध्वनि प्रदूषण का मुख्य कारण कारखानों, औद्योगिक क्षेत्रों, वाहनों, मशीनरी की आवाज, साथ ही इंजन और हॉर्न की आवाज, धार्मिक उत्सवों में लाउडस्पीकर की आवाज, भवन निर्माण में मशीनरी की आवाज को बताया गया है. पर्यावरण रिपोर्ट में कहा गया है कि शहर में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय करना, ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ जन जागरूकता पैदा करना, वाहनों के आवाज को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढाना, सडक़ के दोनों तरफ और डिवाइडर के बीच वृक्षारोपण का सुझाव रिपोर्ट में दिया गया है. ३ एक वर्ष में ३०.४२२ वृक्ष लगाये गये हैं तथा १००० वृक्षारोपण प्रस्तावित है. ई-बस का आगमन मनपा के परिवहन सेवा में प्रतीक्षित है.

नरेश जैन चोरी के आरोप में गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

भायंदर । यहां के बालाजी नगर में जैन मंदिर में हुई चोरी की गुत्थी स्थानीय पुलिस ने सुलझा ली है।चोरी के आरोप में पुलिस ने नरेश अगरचंद जैन (४०)को गिरफ्तार किया है।आरोपी मरीन लाइंस ,मुंबई का रहने वाला है।और उसके ऊपर इसी तरह की चोरी के कई मामले मुंबई के पुलिस थानों में दर्ज है।वह जैन समाज की पारंपरिक पूजा की वेशभूषा में चोरी को अंजाम दिया था।और पूजा करने के बहाने भक्त बनकर मंदिर में दाखिल हुआ था। भायंदर थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकुटराव पाटिल ने बताया कि पिछले दिनों मंदिर की मूर्ति का चांदी का मुकुट और गले से सोने का हार चोरी हुआ था। चोर को पकडने के लिए हमने सीसीटीवी रिकॉर्डिंग चेक करनी शुरू की।चूंकि मंदिर में आने वाला हर भक्त जैन धर्म में पूजा की पारंपरिक वेशभूषा(धोती)में नजर आ रहा था ,जिसमें से एक व्यक्ति के ऊपर हमारा शक गया।क्योंकि धोती से उसका मुंह ढका हुआ था,इसके लिए उसकी पहचान करने में मुश्किल हो रही थी।हमने मंदिर के आसपास के सीसीटीवी के फुटेज खंगालना शुरू किया।एक सीसीटीवी में हमें वह कपडा बदलते हुए नजर आया।पूजा का पारंपरिक चोला उतार कर वह पैंट शर्ट पहना है और लोकल ट्रेन पडक़र मुंबई की ओर चला जाता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI